Read India
An imprint of Pratham Books

कछुआ और खरगोश

वैंकटरमन गौडा
पद्मनाभ

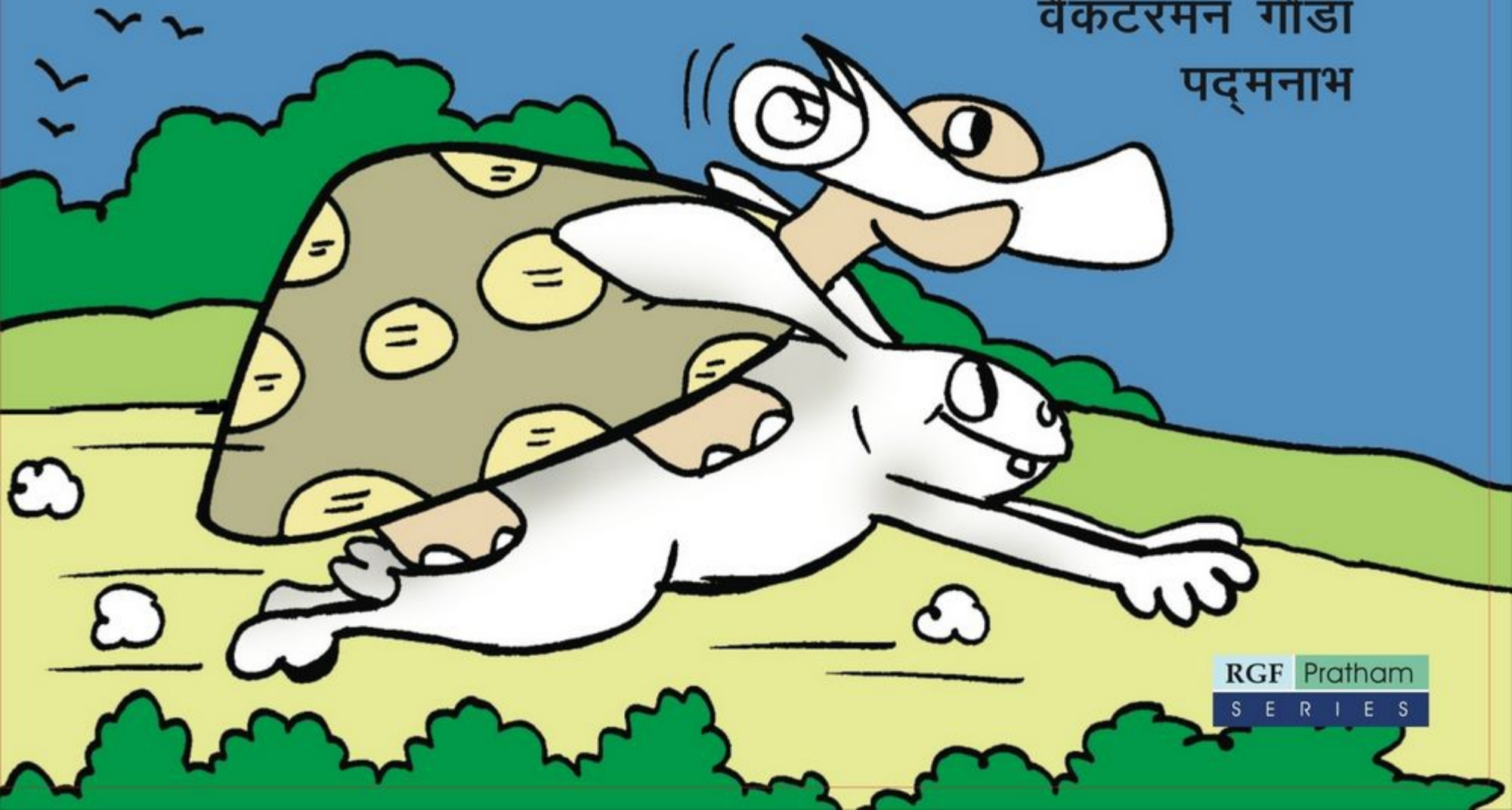

RGF Pratham
SERIES

Original Story (*Kannada*) Mola Mattu Aame by Venkatramana Gowda
© Rajiv Gandhi Foundation – Pratham Books, 2004

Second Hindi Edition: 2008

Illustrations & Design: Padmanabh
Hindi Translation: K. Vijaya

ISBN : 81-8263-142-4

Registered Office:
PRATHAM BOOKS
633-634, 4th "C" Main, 6th 'B' Cross, OMBR Layout,
Banaswadi, Bangalore 560 043
✆ 080-25429726 / 27 / 28

Regional Offices: Mumbai ✆ 022-65162526 and New Delhi ✆ 011-65684113

Typesetting and Layout by: Pratham Books, Delhi

Printed by: Manipal Press, Manipal

Published by:
Pratham Books
www.prathambooks.org

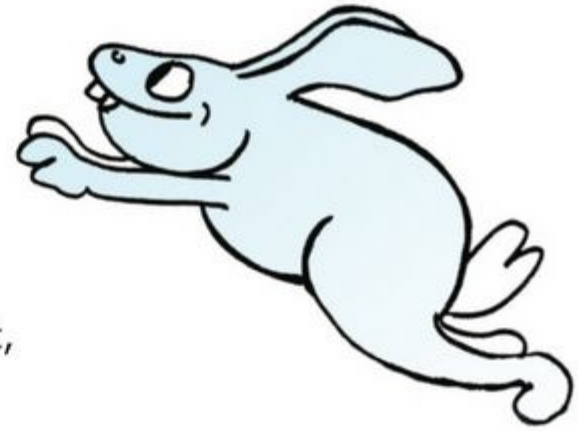

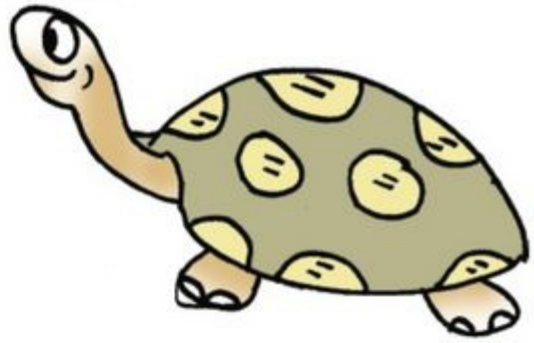

All rights reserved.
No part of this publication may be reproduced or distributed in any form or by any means,
or stored in a database or retrieval system, without the prior written permission of the publisher.

कछुआ और खरगोश

लेखन : वैंकटरमन गौडा

चित्रांकन : पद्मनाभ

हिन्दी अनुवाद : के. विजया

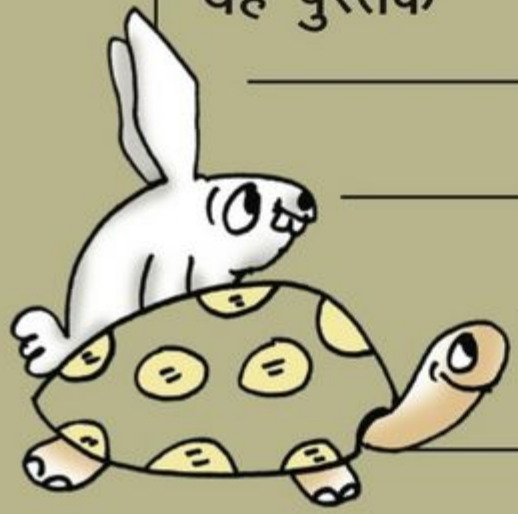

यह पुस्तक

_____

_____

_____

की है।

कछुए और खरगोश की दौड़ तो याद है न?
उस दौड़ के बाद जानवरों के पूरे राज्य में सभी
कछुए और खरगोश के बारे में चर्चा करने लगे।
जहाँ देखो, उन्हीं की बात होती थी।

दौड़ में कुछ आलस के कारण खरगोश हार गया। अपनी मंज़िल की ओर लगातार चलकर कछुआ विजयी हुआ, लेकिन जंगल की प्रजा में दोनों के लिए कोई भेदभाव नहीं था। दोनों की ही बहुत इज्ज़त होती। अपनी जीत पर कछुआ इतराया नहीं। अपनी हार पर खरगोश ने अपमानित महसूस नहीं किया, न ही कछुए के प्रति जलन महसूस की।

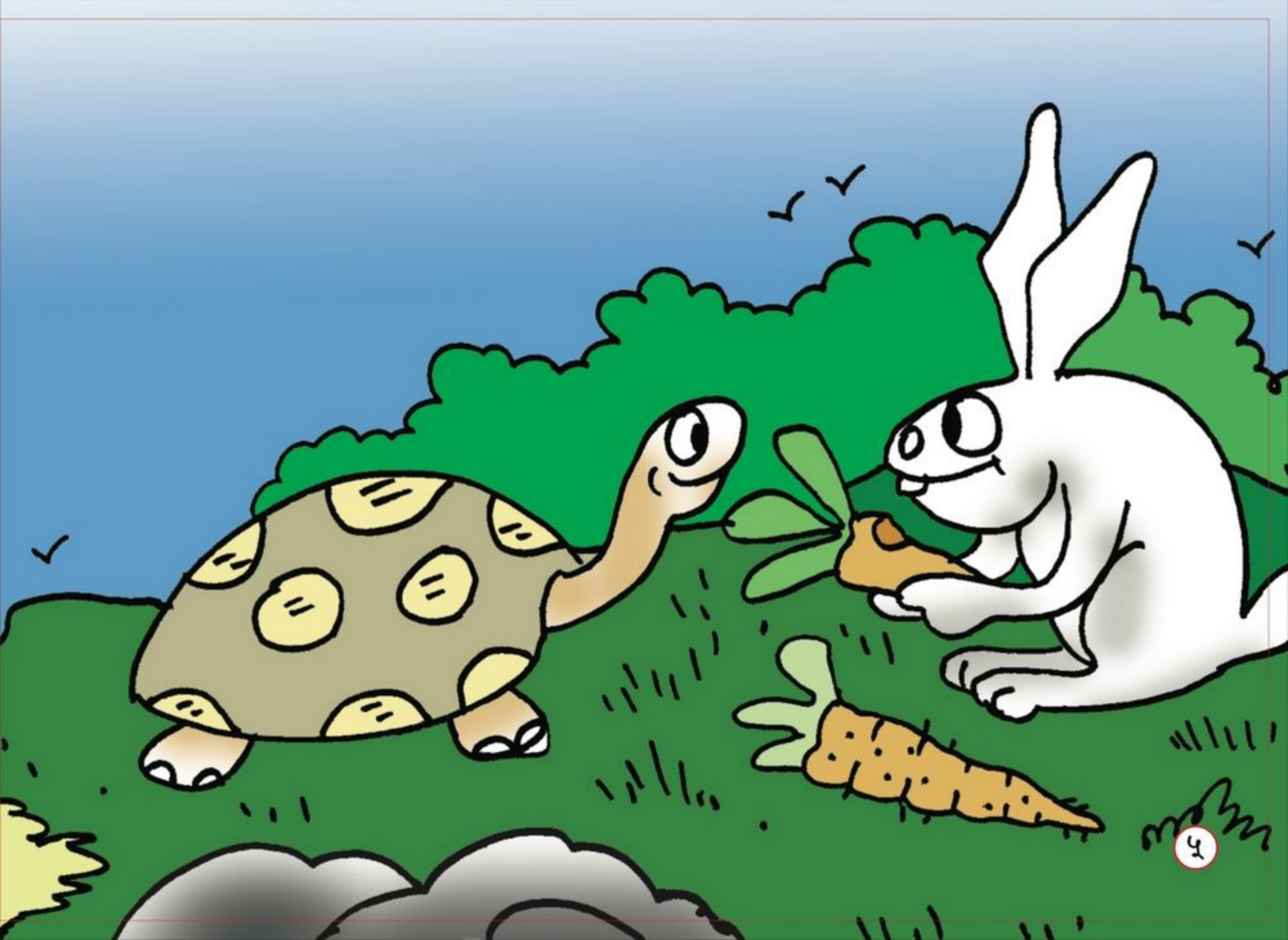

कुछ दिनों बाद उस जंगल के राजा को पड़ोसी जंगल के राजा के साथ ज़रूरी काम पड़ा। उनकी बातचीत तुरंत होनी ज़रूरी थी। लेकिन राजा को फुर्सत नहीं मिल रही थी। और कामों में उलझे होने के कारण उसके लिये पड़ोसी राज्य जाना संभव नहीं था। अतः राजा ने खरगोश और कछुए को अपना प्रतिनिधि बनाकर वहाँ भेजने की सोची।

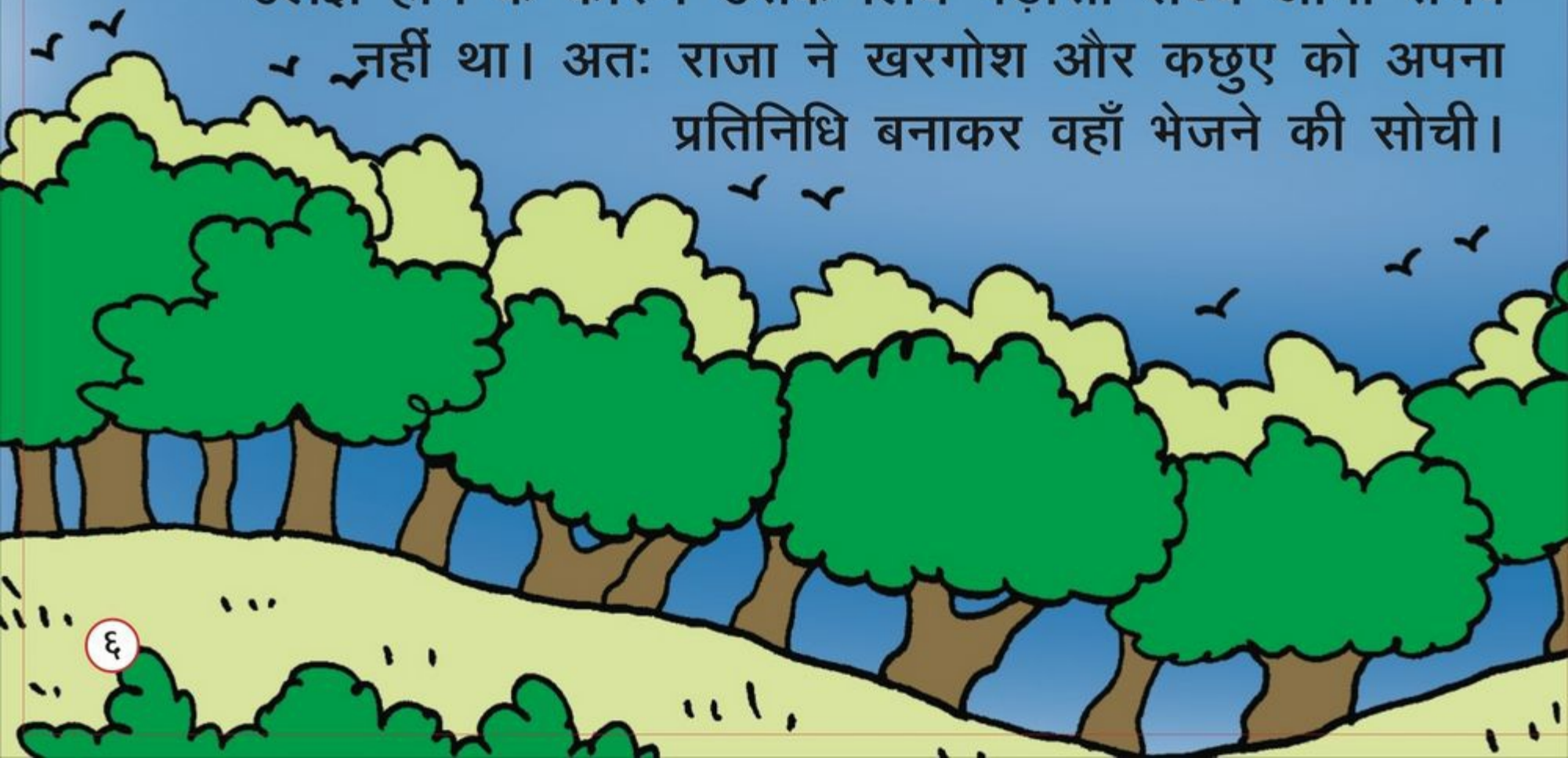

''तुम दोनों में से किसी एक को पड़ोसी राज्य जाना पड़ेगा।
मेरा संदेश उन्हें देकर उनका जवाब लेकर एक
दिन के अन्दर वापस आना होगा।''

पड़ोसी राज्य पहुँचने का रास्ता बहुत कठिन था। काँटों और पत्थरों से भरा था। बीच में दो नदियाँ भी पड़ती थीं। चाहे कछुआ हो या खरगोश रास्ता आसानी से तय होने वाला नहीं था। और एक ही दिन में तो वह रास्ता तय करना असंभव ही था।

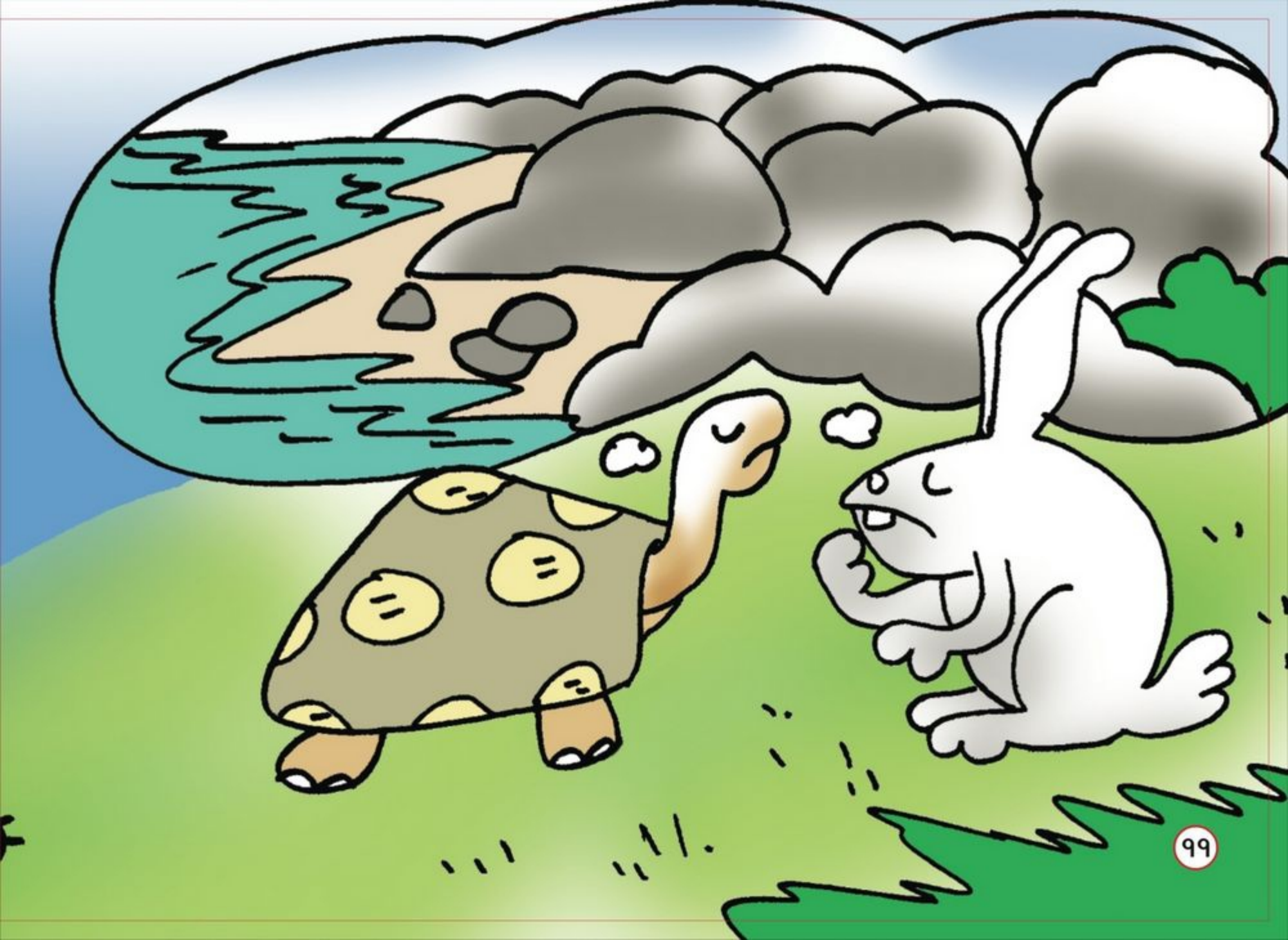

तब खरगोश और कछुए ने एक साथ बैठकर बहुत सोचा। हम दोनों में से किसी एक से यह काम न होगा इसीलिए दोनों साथ मिलकर चलेंगे। जंगल के रास्ते पर खरगोश अपनी पीठ पर कछुए को बिठाकर दौड़ लगाएगा। नदी पार करते समय खरगोश कछुए की पीठ पर चढ़ जायेगा। यह तय करके दोनों को तसल्ली हुई।

अगले दिन तड़के दोनों तैयार हो गये। राजा का संदेश लेकर दोनों निकल पड़े। खरगोश अपनी पीठ पर कछुए को बिठाकर तेज़ी से दौड़ा।

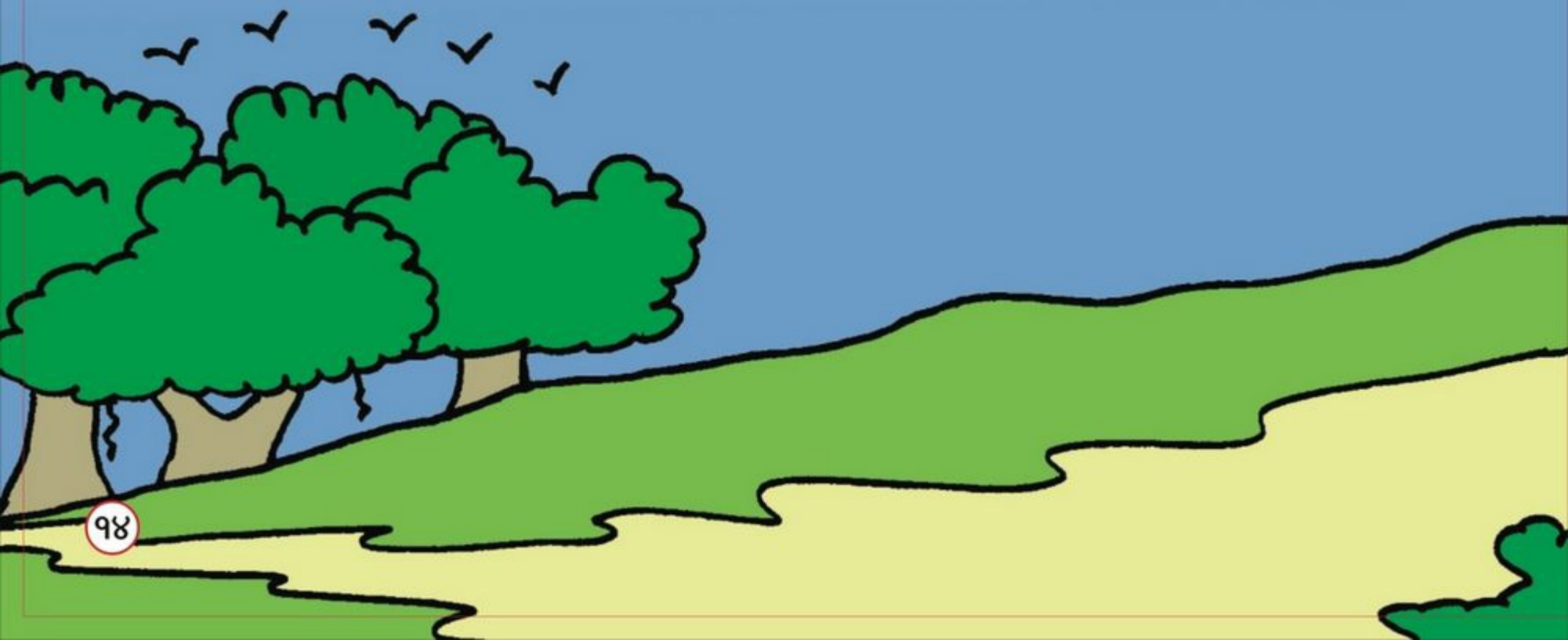

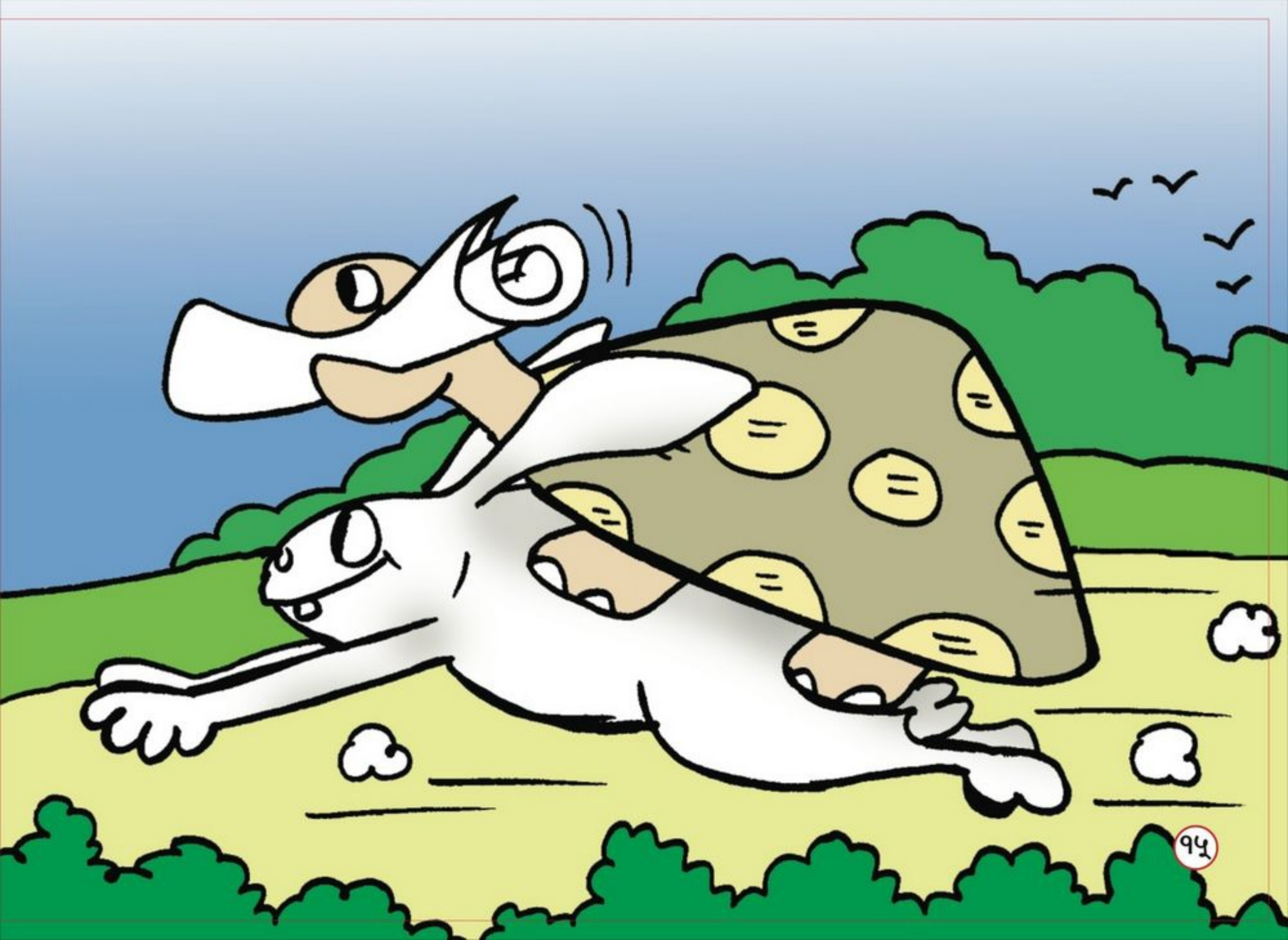

रास्ते में नदी आई। तब कछुए ने खरगोश को अपनी
पीठ पर बिठाकर नदी पार कराई। फिर से खरगोश ने
कछुए को पीठ पर बिठाकर दौड़ लगाई।
दूसरी नदी आते ही कछुए ने अपना काम किया।
इस तरह दोनों साथ मिलकर बहुत जल्दी
अपनी मंज़िल तक पहुँच गये।

उस राजा से बातचीत करके वापस लौटे।

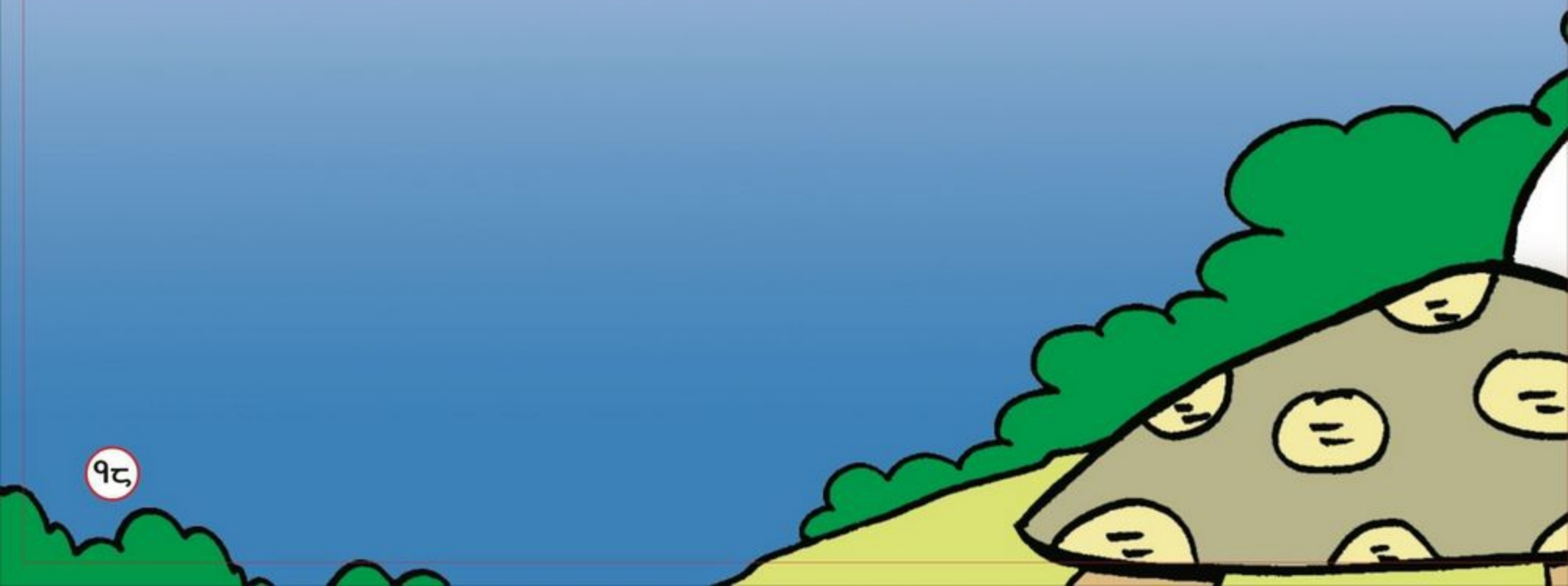

जितना समय उनके राजा ने दिया था उससे पहले ही
दोनों ने अपना काम कर दिखाया।

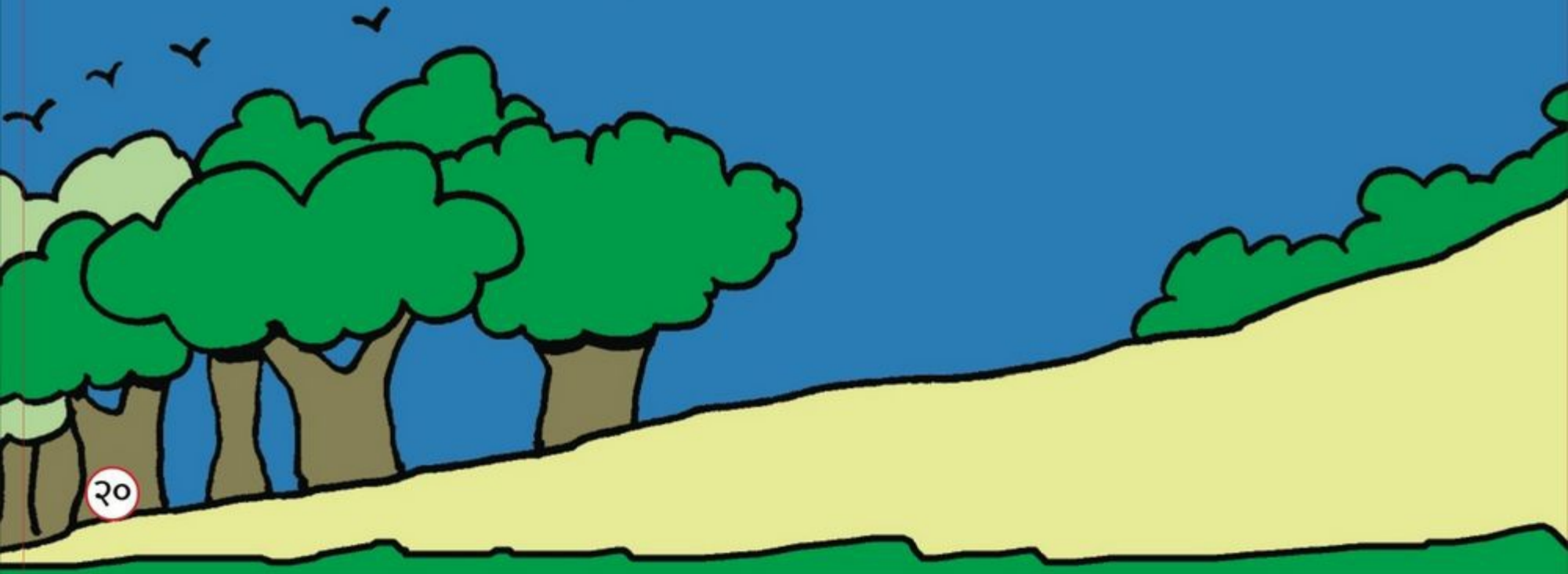

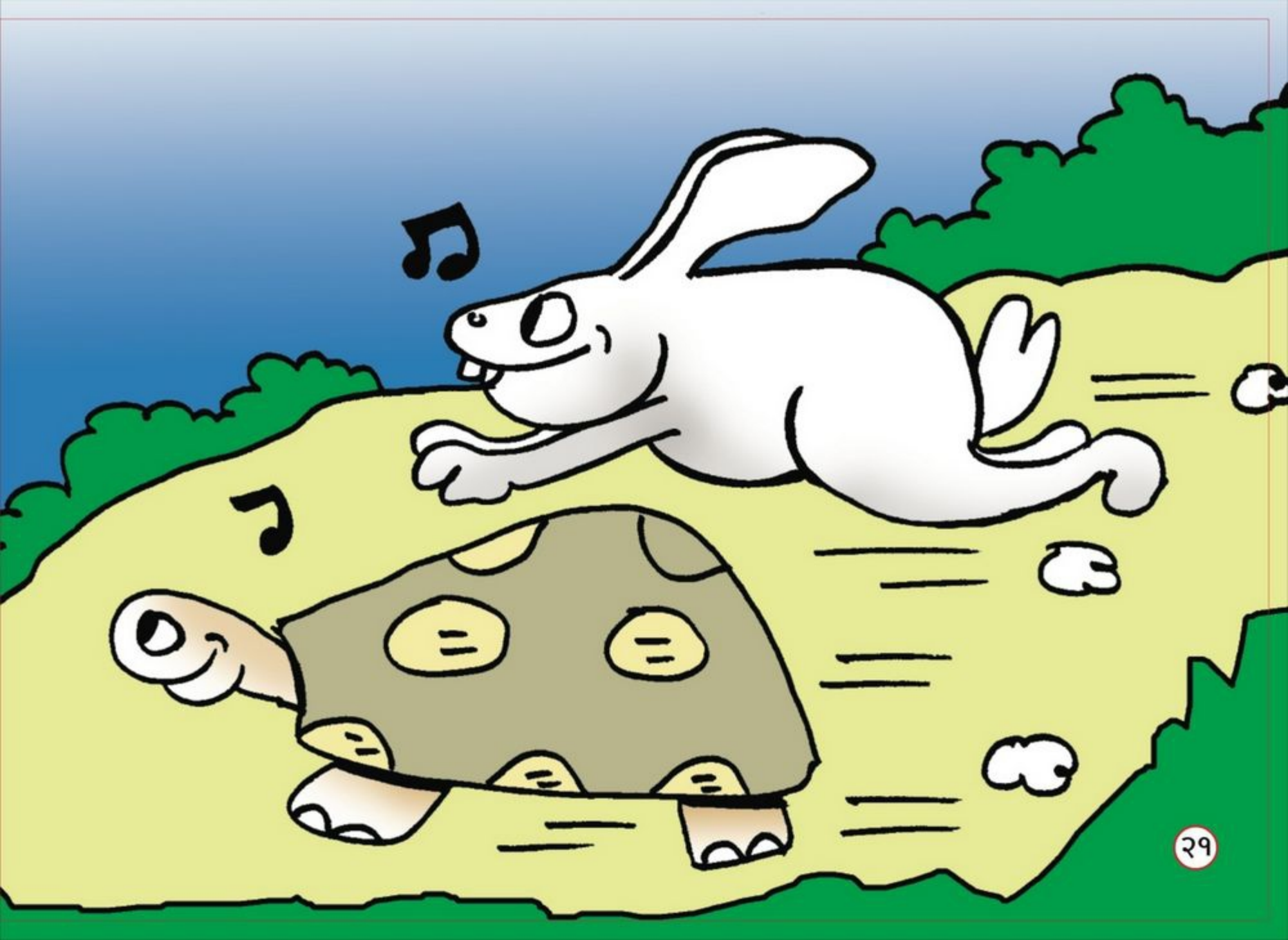

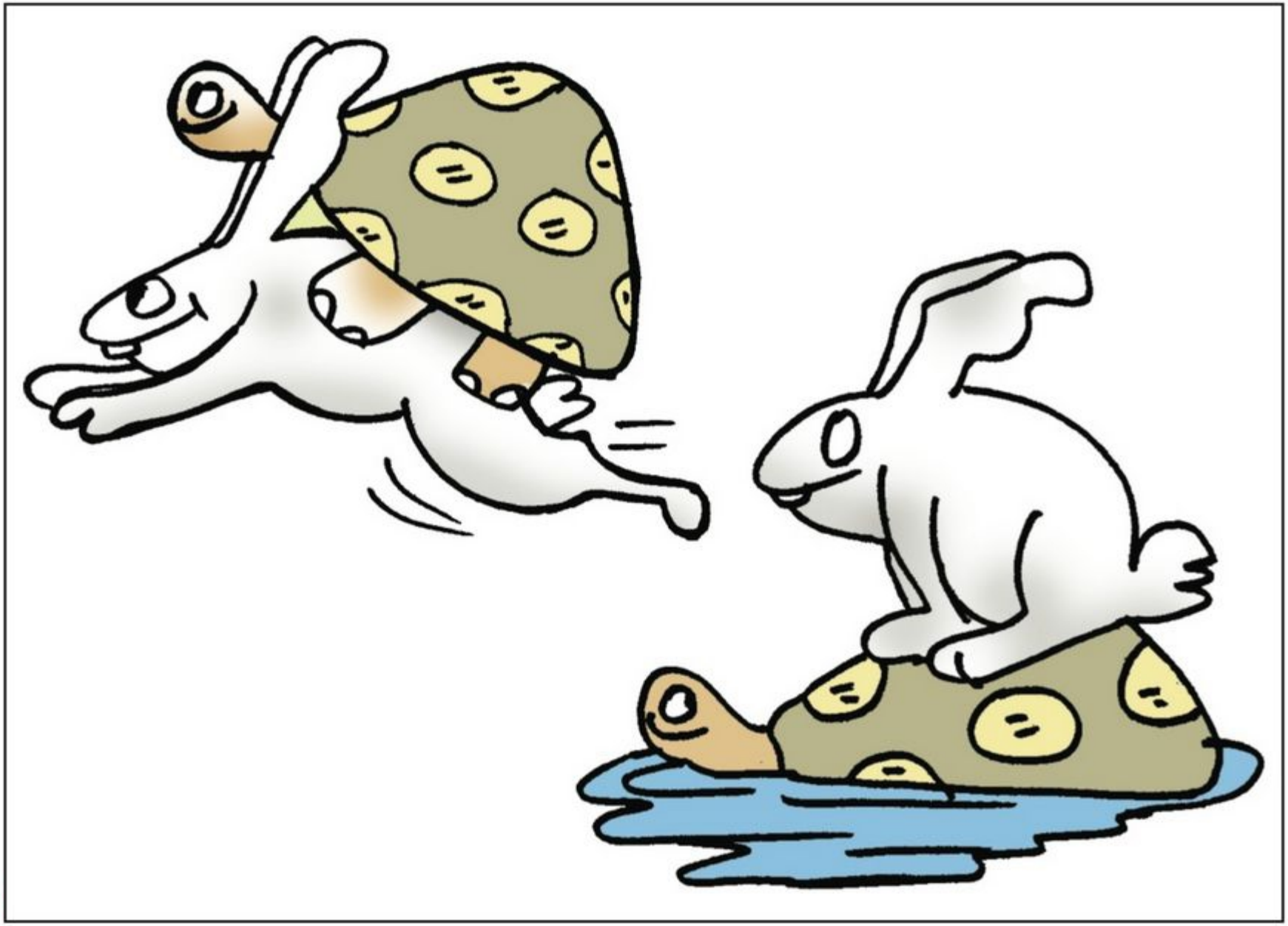

इस चित्र में रंग भरो।

इस चित्र में रंग भरो।

मेरा नाम अल्फ़िया है और पाँचवीं कक्षा में पढ़ती हूँ। मुझे अपने नाना के जैसे इंजीनियर बनना है। शाहिद कपूर और करीना की फ़िल्में देखना पसंद है।
यह किताब खरीदने के लिये शुक्रिया। आपने यह किताब खरीदी तो मेरे पुस्तकालय में और भी बहुत सी किताबें आयेंगी जिन्हें मैं और मेरे दोस्त पढ़ सकेंगे।

वेंकटरमण गौड़ ने कन्नड़ में उच्च शिक्षा प्राप्त करी है और वे एक वरिष्ठ पत्रकार हैं। उन्होंने उदयवाणी व विजय कर्नाटक में काम किया है और कुछ समय तक अपनी मासिक पत्रिका का सम्पादन किया। उत्तर कन्नड़ में हलक्की जनजाति के वेंकटरमण अपनी कहानियों व कविताओं में लोक शैली के लिये जाने जाते हैं। वे हैदराबाद में एक टेलिविज़न चैनल में कार्यरत हैं।

पद्मनाभ एक चित्रकार हैं जिन्होंने कर्नाटक के कई समाचार पत्रों में काम किया है।

बहुत दिनों पहले कछुए ने अपनी लगन के बल पर घमण्डी खरगोश को दौड़ में हराया था। अब दोनों फिर साथ आये हैं और उन्हें मिल कर राजा का ज़रूरी काम करना है। सहयोग के बिना यह असम्भव है पर क्या दोनों विरोधी मिल कर काम कर पायेंगे?

इस शृंखला की अन्य पुस्तकें

राजू और तरकारी ● मछली ने समाचार सुने ● गौरैया और अमरूद
रंग बिरंगी सुंदर मछली ● कौए के रिश्तेदार ● कुहू–कुहू कोयल
नौका विहार ● स्वाद अनार का ● बुलबुलों वाला फेनीला दूध

अनेक भारतीय भाषाओं में हमारी रोचक किताबों के बारे में और जानकारी के लिये **www.prathambooks.org** पर लॉग आन करें।

हमारी किताबें अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, गुजराती, बांग्ला, पंजाबी, उर्दू व उड़िया में भी उपलब्ध हैं।

PRATHAM BOOKS

प्रथम बुक्स भारतीय भाषाओं में वाजिब दामों व अच्छे स्तर की बाल पुस्तकें प्रकाशित करने वाली ग़ैर मुनाफ़ा संस्था है।

Age Group: 7-10 years
Kachua Aur Khargosh (Hindi)
MRP: Rs. 20.00

ISBN 818263142-4
9 788182 631427